BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

भारत के क्षेत्रीय निर्यात का विस्तार

वैश्विक बाजारों में अफ्रीका और एशिया की अगुवाई में वृद्धि

21 नवंबर, 2026

भारत के वस्तुओं के निर्यात में वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान प्रमुख वैश्विक क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि दर्ज की गई। अफ्रीका को होने वाले निर्यात में 44% की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई । इसके बाद एशिया में 21% और अमेरिका में 13% की वृद्धि दर्ज की गई। यूरोप और सीआईएस और बाल्टिक देशों में 8% और 7% की वृद्धि हुई। इंजीनियरिंग वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं और पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात की प्रमुख श्रेणियों में रहे। विभिन्न बाजारों और उत्पाद समूहों में मजबूत प्रदर्शन वैश्विक क्षेत्रों में भारत के वस्तु निर्यात के बढ़ते विस्तार को दर्शाता है।

भारत का निर्यात सभी वैश्विक क्षेत्रों में मजबूत हुआ

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान भारत के निर्यात में प्रमुख वैश्विक क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि दर्ज की गई। इसमें अफ्रीका और एशिया सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्र बनकर उभरे।

भारत का एशिया को निर्यात 21% बढ़कर 85.84 अरब अमेरिकी डॉलर से 103.84 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। अफ्रीका को निर्यात में 44% की भारी वृद्धि दर्ज की गई और यह 21.87 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 31.42 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका को निर्यात 13% बढ़कर 66.82 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके बाद यूरोप में 8% की वृद्धि के साथ 51.04 अरब अमेरिकी डॉलर और सीआईएस और बाल्टिक देशों में 7% की वृद्धि के साथ 3.36 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात दर्ज किया गया।

क्षेत्रीय विस्तार को विभिन्न बाजारों और निर्यात श्रेणियों में मांग से समर्थन मिला। इंजीनियरिंग वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, पेट्रोलियम उत्पाद और रसायन विभिन्न क्षेत्रों के निर्यात उत्पादों में प्रमुख रूप से शामिल रहे।

क्षेत्रवार निर्यात प्रदर्शन

एशिया: चीन और सिंगापुर के नेतृत्व में निर्यात 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार

एशिया को भारत का निर्यात 21% बढ़कर 85.84 अरब अमेरिकी डॉलर से 103.84 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

प्रमुख निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं:

- चीन और सिंगापुर सबसे बड़े बाजार रहे, यहां निर्यात 11.39 अरब अमेरिकी डॉलर और 11.07 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। चीन को निर्यात में 36% और सिंगापुर को निर्यात में दोगुने से अधिक 103% की वृद्धि दर्ज की गई।
- मलेशिया और हांगकांग भी महत्वपूर्ण बाजार बनकर उभरे। यहां निर्यात 5.58 अरब अमेरिकी डॉलर और 5.12 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। मलेशिया में 83% और हांगकांग में 37% की वृद्धि दर्ज की गई।
- अन्य बाजारों में बांग्लादेश को 5.66 अरब अमेरिकी डॉलर, नेपाल को 4.37 अरब अमेरिकी डॉलर, जापान और ऑस्ट्रेलिया को लगभग 4.10 - 4.10 अरब अमेरिकी डॉलर , श्रीलंका को 3.94 अरब अमेरिकी डॉलर, दक्षिण कोरिया को 3.91 अरब अमेरिकी डॉलर, वियतनाम को 3.83 अरब अमेरिकी डॉलर और ओमान को 3.29 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात शामिल रहा।



वस्तुओं के स्तर पर इंजीनियरिंग वस्तुएं 27.47 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ सबसे बड़ी श्रेणी बनी रहीं और इनमें 22% की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 28% बढ़कर 17.05 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात लगभग दोगुना होकर 10.54 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इसमें 91% की वृद्धि हुई। वहीं, रत्न और आभूषणों का निर्यात 9.59 अरब अमेरिकी डॉलर और कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों का निर्यात बढ़कर 6.17 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

अमेरिका: उच्च मूल्य वाले विनिर्माण और अमेरिका के नेतृत्व में निर्यात 66.82 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

अमेरिका को निर्यात 13% बढ़कर 59.30 अरब अमेरिकी डॉलर से 66.82 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

प्रमुख निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं:

- संयुक्त राज्य अमेरिका: यहां 50.80 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ। इसमें 11% की वृद्धि दर्ज की गई और यह क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार बना रहा।
- ब्राजील, मैक्सिको और कनाडा: इन देशों को निर्यात 4.33 अरब अमेरिकी डॉलर, 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर और 2.67 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। ब्राजील में 14%, मैक्सिको में 26% और कनाडा में 18% की वृद्धि दर्ज की गई।
- अन्य बाजार: कोलंबिया और चिली में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

इस क्षेत्र की वृद्धि में इंजीनियरिंग वस्तुओं का प्रमुख योगदान रहा। इनका निर्यात 21% बढ़कर 19.19 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात 23% बढ़कर 15.35 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। औषधियों और फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात 6.59 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, इसके बाद कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों का 4.17 अरब अमेरिकी डॉलर, रत्न और आभूषणों का 3.35 अरब अमेरिकी डॉलर और पेट्रोलियम उत्पादों का 3.16 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ।

यूरोप: इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के नेतृत्व में निर्यात 51 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

यूरोप को भारत का निर्यात 8% बढ़कर 47.06 अरब अमेरिकी डॉलर से 51.04 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया

प्रमुख निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं:

- यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी: 7.32 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ ब्रिटेन सबसे बड़ा बाजार रहा। इसके बाद जर्मनी में 6.34 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ। जर्मनी को निर्यात में 12% की वृद्धि दर्ज की गई।

- स्पेन और इटली: स्पेन को निर्यात 45% बढ़कर 4.68 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इटली में 25% की वृद्धि के साथ निर्यात 4.55 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।
- फ्रांस और तुर्किये: फ्रांस को निर्यात 3.73 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। तुर्किये को निर्यात 72% की वृद्धि के साथ यह 3.63 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।



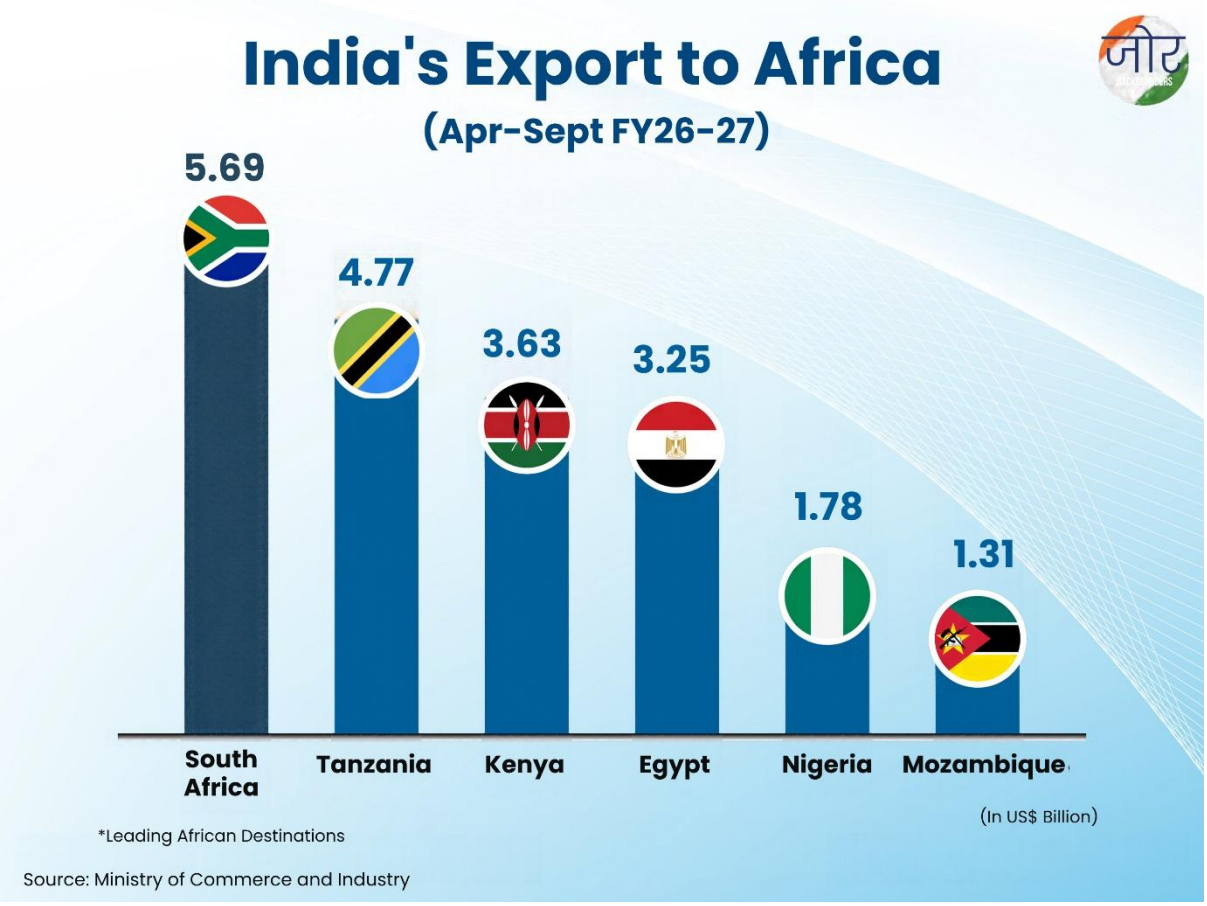
अफ्रीका: पेट्रोलियम और इंजीनियरिंग वस्तुओं के नेतृत्व में निर्यात बढ़कर 31.42 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ

अफ्रीका को भारत के निर्यात में 44% की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई और यह 21.87 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 31.42 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

प्रमुख निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं:

- **दक्षिण अफ्रीका:** 5.69 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ सबसे बड़ा बाजार बना रहा। यहां 52% की वृद्धि दर्ज की गई।
- **तंजानिया और केन्या:** इन देशों को निर्यात 4.77 अरब अमेरिकी डॉलर और 3.63 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। तंजानिया में 121% की वृद्धि दर्ज की गई और केन्या को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़कर 101% हो गया।
- **मिस्र:** निर्यात में 73% की वृद्धि हुई और यह 3.25 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।
- **नाइजीरिया और मोजाम्बिक:** इन देशों में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई और निर्यात 1.78 अरब अमेरिकी डॉलर तथा 1.31 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

वस्तुओं के स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा योगदान रहा और इनका निर्यात 11.85 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इसमें 137% की वृद्धि के साथ निर्यात दोगुने से अधिक हो गया। इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 29% बढ़कर 7.48 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि औषधियों और फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात 2.58 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों का निर्यात बढ़कर 1.41 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। प्लास्टिक और लिनोलियम तथा मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों के निर्यात में भी मजबूत सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।



सीआईएस और बाल्टिक देश: निर्यात बढ़कर 3.36 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ

सीआईएस और बाल्टिक देशों को भारत का निर्यात 7% बढ़कर 3.14 अरब अमेरिकी डॉलर से 3.36 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

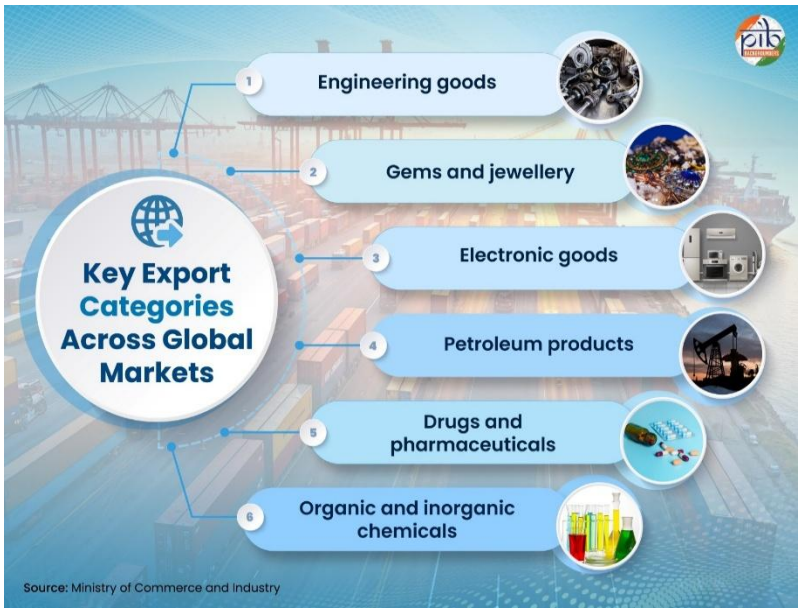
प्रमुख निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं:

- **रूस:** 2.39 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात और 7% की वृद्धि के साथ सबसे बड़ा बढ़ता हुआ बाजार बना रहा।
- **जॉर्जिया:** निर्यात 0.25 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

- **आर्मेनिया और कजाकिस्तान:** इन देशों में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

निर्यात की बढ़ती उत्पाद श्रेणियों में कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों का निर्यात 33% बढ़कर 0.37 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके बाद मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों का स्थान रहा और इनका निर्यात 36% बढ़कर 0.36 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात 0.24 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। अभ्रक, कोयला तथा अन्य अयस्कों और खनिजों का निर्यात 0.17 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया । समुद्री उत्पादों का निर्यात बढ़कर 0.14 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

बाजारों और उत्पादों में विविधीकरण



क्षेत्रीय रुझान भारत के वैश्विक निर्यात के विस्तार के साथ-साथ उसमें बढ़ते विविधीकरण को भी दर्शाते हैं। एशिया 103 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निर्यात के साथ भारत के निर्यात का प्रमुख आधार बना रहा। इसके साथ अमेरिका का 66.82 अरब अमेरिकी डॉलर और यूरोप का 51.04 अरब अमेरिकी डॉलर का बाजार भी महत्वपूर्ण रहा। अफ्रीका में विशेष रूप से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई और वहां निर्यात 31 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि निर्यात वृद्धि को संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, सिंगापुर, ब्रिटेन, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण बाजारों से समर्थन मिला। इसके साथ ही मलेशिया, स्पेन, इटली, तंजानिया और केन्या में भी मजबूत विस्तार दर्ज किया गया।

उत्पादों के स्तर पर इंजीनियरिंग वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं और पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात के सबसे बड़े बढ़ते मूल्य वाले उत्पादों में शामिल रहे। यह भारत के वैश्विक वस्तु निर्यात में भौगोलिक और उत्पाद-आधारित विविधीकरण के साथ हो रहे विस्तार को दर्शाता है।

संदर्भ
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

पीआईबी अनुसंधान

पीके/केसी/आरटी/एसके